कुल मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 5

BHDC–134

स्नातक उपाधि कार्यक्रम

(सी. बी. सी. एस.)

(बी. ए. जी.)

सत्रांत परीक्षा

जून, 2025

बी. एच. डी. सी.-134 : हिंदी गद्य साहित्य

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : ***प्रथम*** *प्रश्न अनिवार्य है। शेष में से किन्हीं* ***चार*** *प्रश्नों के उत्तर दीजिए।*

---

1. निम्नलिखित गद्यांशों में से किन्हीं **तीन** की संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए : 3×12=36

(क) मेरा मन बहुत घबराने लगा। जो कहानी सुनी है उसे कैसे लूँ, कैसे झेलूँ ? मन से वह सँभाली नहीं जाती थी। इलाज यही था कि मैं उससे बचकर चला जाऊँ। उसी अपनी दुनिया में जहाँ वस्तुओं का मान बँधा हुआ है और कोई झमेला नहीं है। जहाँ रास्ता बना-बनाया है और खुद को खोजने की जरूरत नहीं है। जिज्ञासा जहाँ शांत है और प्रश्न अवज्ञा का द्योतक है।

(ख) दुनिया सोती थी पर दुनिया की जीभ जागती थी। सबेरे देखिए तो बालक-वृद्ध सबके मुँह से यही बात सुनाई देती थी। जिसे देखिए वही पंडितजी के इस व्यवहार पर टीका-टिप्पणी कर रहा था, निंदा की बौछारें हो

रही थीं, मानो संसार से अब पापी का पाप कट गया।

(ग) तारे ढँक गये। तरंगें उद्वेलित हुईं, समुद्र गरजने लगा। भीषण आँधी, पिशाचिनी के समान नाव को अपने हाथों में लेकर कंदुक-क्रीड़ा और अट्टहास करने लगी। एक झटके के साथ ही नाव स्वतंत्र थी। उस संकट में भी दोनों बंदी खिलखिलाकर हँस पड़े।

(घ) विशिष्ट वस्तु या व्यक्ति के प्रति होने पर लोभ वह सात्विक रूप प्राप्त करता है जिसे प्रीति या प्रेम कहते हैं। जहाँ लोभ सामान्य या जाति के प्रति होता है वहाँ वह लोभ ही रहता है। पर जहाँ किसी जाति के एक ही विशेष व्यक्ति के प्रति होता है वहाँ वह 'रुचि' या

'प्रीति' का पद प्राप्त करता है। लोभ सामान्योन्मुख होता है और प्रेम विशेषोन्मुख।

(ङ) जो समझता है कि वह दूसरों का उपकार कर रहा है, वह अबोध है, जो समझता है कि दूसरे उसका अपकार कर रहे हैं, वह भी बुद्धिहीन है। कौन किसका उपकार करता है, कौन किसका अपकार कर रहा है ? मनुष्य जी रहा है, केवल जी रहा है, अपनी इच्छा से नहीं, इतिहास-विधाता की योजना के अनुसार।

2. हिंदी गद्य के विकास के कारणों पर प्रकाश डालिए। 16

3. हिंदी नाटक के स्वरूप को स्पष्ट कीजिए। 16

4. 'त्यागपत्र' उपन्यास के कथानक की विशेषताओं की चर्चा कीजिए। 16

5. 'आकाशदीप' कहानी की तात्विक समीक्षा कीजिए। 16

6. 'कुटज' निबंध की अन्तर्वस्तु का विश्लेषण कीजिए। 16

7. 'सहस्र फणों का मणि-दीप' निबंध के पौराणिक एवं मिथकीय संदर्भों को स्पष्ट कीजिए। 16

8. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणियाँ लिखिए :

$2 \times 8 = 16$

(क) हिंदी रेखाचित्र का विकासक्रम

(ख) 'नमक का दारोगा' कहानी का परिवेश

(ग) गजाधर बाबू

(घ) निबंधकार आचार्य रामचंद्र शुक्ल

× × × × ×